राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय
स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंक विभाजन
MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL
Praveshika Certificate in performing art- (P.C.P.A.)
2023-24 (Regular)
Previous

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	PRACTICAL- I Demonstration & viva	100	33
2	PRACTICAL - II Textual Demonstration	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

नियमित विद्यार्थियों हेतु

प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंगआर्ट–प्रथम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र –मौखिक

पूर्णांक : 100

1. संगीत की परिभाषा।
2. नृत्य कला सीखने से लाभ।
3. तत्कार की परिभाषा।
4. त्रिताल (16–मात्रा), दादरा (6–मात्रा) एवं कहरवा (8–मात्रा) कोठाह, दुगुन में लिपिबद्ध करना व पढ़न्त।

प्रायोगिक

1. शरीर को सुडौल बनाने के लिये व्यायाम हेतु पद संचालन।
2. नृत्य से संबंधित प्रारंभिक अभ्यास एवं तत्कार की ठाह, दुगुन, चौगुन।
3. भूमि प्रणाम।
4. चार प्रकार के हस्त संचालन का ज्ञान।
5. त्रिताल में पाँच सादे तोड़े प्रस्तुत करने की क्षमता।
6. त्रिताल की पढ़न्त का अभ्यास तथा उनकी मात्रा, विभाग, ताली, खाली, एवं सम आदि की जानकारी।

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

कक्षा में सीखे गये रागो की स्वरलिपि/तोड़ो का विवरण

Praveshika Certificate in performing art- (P.C.P.A.)
Final Year

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory - History and Development of Indian dance	100	33
2	PRACTICAL - Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंगआर्ट– अंतिमवर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र

समय 3 घन्टे **पूर्णांक–100**

1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की जानकारी।
   मात्रा, विभाग, ताली, खाली, सम, आवर्तन, ठेका, ठाह, दुगुन, तिगुन, एवं चौगुन।
2. अभिनय दर्पण के अनुसार चार प्रकार के ''ग्रीवाभेदों '' का परिचयात्मक ज्ञान।
3. कहरवा (8–मात्रा) एवं त्रिताल (16–मात्रा) की 'ठाह', 'दुगुन' एवं 'चौगुन' में लिपिबद्ध करने का अभ्यास ।
4. ताल त्रिताल में सादे तोड़े लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
5. अभिनय दर्पण के अनुसार दस असंयुक्त हस्तमुद्राओं के नाम।

प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिमवर्ष

कथक नृत्य

प्रायोगिक

1. त्रिताल में एक 'आमद' और एक 'नमस्कार' का तोड़ा'।
2. त्रिताल में कोई पाँच तोड़े प्रस्तुत करने की क्षमता।
3. दो गतनिकास 'मटकी एवं मुकुट' का अभ्यास।
4. 'तत्कार' के प्रारंभिक प्रकारों का अभ्यास।
5. अभिनय दर्पण के अनुसार चार प्रकार के ग्रीवाभेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन।
6. पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों के ठेकों एवं तोड़ो को पढ़न्त करने का अभ्यास।
7. दस असयुंक्त हस्तमुद्राआ का मौखिक प्रायोगिक प्रदर्शन।

संदर्भित पुस्तकें :–

1. कथक नृत्य (डॉ. हरीशचंद्र श्रीवास्तव)
2. कथक नृत्य शिक्षा प्रथम भाग (डॉ. पुरू दधीच)
3 कथक मध्यमा(डॉ. भगवानदास माणिक)
4 कथक प्रवेशिका (पं. तिरथराम आजाद जी)

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

कक्षा में सीखे गये रागो की स्वरलिपि/तोड़ो का विवरण